प्रेस विज्ञप्ति

''विज्ञान और तकनीक के उचित प्रयोग से स्वच्छ और हरित क्रान्ति लाकर हम जलवायु प्रदूषण रोक सकते हैं'' – कपिल सिब्बल

नई दिल्ली, 7 फरवरी: दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की राजयोग शिक्षा और शोध प्रतिष्ठान के वैज्ञानिक और अभियन्ता प्रभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन की चुनौती विषय पर उपरोक्त विचार केन्द्रीय साईंस और टैक्नालाजी मंत्री भ्राता कपिल सिब्बल जी ने रखे।

उन्होंने आगे कहा कि स्व परिवर्तन द्वारा ही हम अपने ग्रह को बचा सकते हैं। वायुमण्डल में कार्बन डाईआक्साईड की मात्रा कम करने के लिए सौर ऊर्जा जैसी तकनीक को अपनाने की बात कही।

स्व परिवर्तन के लिए आध्यात्मिकता और ध्यान योग के माध्यम से अपनी आन्तरिक शक्तियों के विकास तथा आत्म संयम पर ज़ोर दिया।

इस अवसर पर पधारे दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव भ्राता राकेश मेहता जी ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने कई सराहनीय कदम उठाए हैं। उन्होने ज्ञान और आध्यात्म के समन्वय से जलवायु समस्या का समाधान निकालने पर बल दिया।

मानव अधिकार आयोग के सलाहकार और सी.बी.आई. के पूर्व निर्देशक भ्राता डी आर कार्तिकेयन जी ने ऊर्जा के नए नए साधनों – बायो ईंधन आदि के इस्तेमाल का सुझाव दिया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी दादी रूक्मणि जी ने कहा कि अपने मूल स्वरूप आत्मा को भूल स्वयं को शरीर समझने के फलस्वरूप प्रकृति दूषित हो गई है। अब पुनः मन को परमात्मा में लगाने से अर्थात मन्मनाभव की विधि से पाँच तत्व शुद्ध हो जाएँगे, सुखदाई हो जाएँगे।

राजयोग शिक्षा और शोध प्रतिष्ठान के विज्ञान और अभियन्ता प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक भ्राता मोहन सिंघल जी ने कहा कि जब तक हम अपनी जीवन शैली को परिवर्तन नहीं करेंगे, हम जलवायु परिवर्तन नहीं कर सकते।

अहमदाबाद से पधारी विज्ञान और अभियन्ता प्रभाग की अध्यक्षा ब्रह्माकुमारी सरला जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हमें देखना है कि हमारी आन्तरिक सफाई कैसे होगी और हम अपने मन को जो अपसेट हो गया है, शुभचिन्तन से पुनः सेट करें। हम बदलें तो जग बदलेगा के चिन्तन से सकारात्मक परिवर्तन अवश्य आएगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण के सदस्य भ्राता बी. भट्टाचारजी ने कहा कि प्रकृति के साधनों के दुरूपयोग को रोककर ही हम इस समस्या का हल निकाल सकते हैं।

सभा के आरम्भ में अपने स्वागत भाषण में ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी भ्राता बृजमोहन ने कहा कि वातावरण प्रदूषण की तथा जलवायु में हानिकारक परिवर्तन का मूल कारण मानव की लोभ वृत्ति एवं उसकी प्रकृति का विरूद्धाचरण करने की प्रवृत्ति।

उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त पर्यावरण एवं जलवायु से सम्बन्धित ज्वलन्त मुद्दों पर दो खुले सत्र एवं 6 तकनीकी कार्यशालाएँ चलीं।

ब्रह्माकुमार सुशान्त
मीडिया प्रभारी (9350922333)